अनाया हिंदी

Teacher Manual
Class-6-8

Future Print

अनाया हिंदी-6

1. श्रेय

भाषा अभिव्यक्ति–

(क) पेड़ अचल रहता है। **(ख)** लौह स्तंभ की तरह **(ग)** अनहोनी को

भाषा अभिव्यक्ति (लिखित)–

(क) क्योंकि वह लौह-स्तंभ के समान ही अचल रहता है। **(ख)** अनहोनी की आशंका से **(ग)** पेड़ की पत्तियाँ टहनियों से टूटकर गतिमान होती रहती हैं। **(घ)** तुम हर परिस्थिति में एक स्थान पर अडिग रहते हो। **(ङ)** मिट्टी को, क्योंकि यही उसे अपनी गोद में सँभाले रहती है। **(च)** लोग आवश्यकतावश उसके अंगों को काटते रहते हैं। **(छ)** उसकी पत्तियों या तने हमेशा हरे-भरे नहीं रह पाते।

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ख) **2.** (ग) **3.** (घ)

व्याकरण अभिव्यक्ति–

1. (क) पुल्लिंग (ख) पुल्लिंग (ग) स्त्रीलिंग (घ) पुल्लिंग (ङ) स्त्रीलिंग (च) स्त्रीलिंग (छ) पुल्लिंग (ज) स्त्रीलिंग (झ) स्त्रीलिंग (ञ) स्त्रीलिंग

2. (क) अग्नि, हास्य अभिलाषा, क्षेत्र, सूर्य (ख) गरमी, मूर्खता, दुभाषिये (ग) टेकड़ी, मुश्किल, धौंकनी (घ) टोपी, निशान, मुकाम, सौदागर, फैंसी, थियेटर

3. (क) खड़े हो (ख) भाँप उठा (ग) उजड़ा (घ) गिरती है (ङ) उखड़ा (च) गिरती

4. (ख) तम, अंधकार (ग) मेहमान, आगंतुक (घ) वन, अरण्य (ङ) सरिता, प्रवाहिनी (च) बेटी, सुता

5. (क) हाथ, टैक्स (ख) आकाश, वस्त्र (ग) दौलत, माल (घ) चिट्टी, पत्ता

2. क्या निराश हुआ जाए

भाषा अभिव्यक्ति–

(क) समाचार-पत्रों में ठगी, डकैती, चोरी, ... दोष दिखाए जाते हैं। **(ख)** ड्राइवर के चेहरे पर हवाइयाँ उड़ने लगीं। ..... बचाइए, ये लोग मारेंगे। **(ग)** निराश होने की जरूरत नहीं है।

भाषा अभिव्यक्ति (लिखित)–

(क) जहाँ सभी जगह सुख-शांति हो, प्रत्येक व्यक्ति एक-दूसरे पर विश्वास करता हो। **(ख)** एक बार रेलवे स्टेशन पर टिकट लेते हुए ..... की गरिमा थी। मैं चकित रह गया। **(ग)** लोभ-मोह, काम-क्रोध आदि विकार ..... बहुत निकृष्ट आचरण है। **(घ)** अभी भी ईमानदारी और सच्चाई बची हुई है। **(ङ)** ईमानदारी को मूर्खता का पर्याय समझा ..... की आस्था ही हिलने लगी है। **(च)** ठगा भी गया हूँ, धोखा भी खाया है, ... तुम्हारे ऊपर संदेह न करूँ। **(छ)** स्वयं कीजिए। **(ज)** (i) ऐसी स्थिति में जीवन के महान मूल्यों के बारे में लोगों की आस्था ही हिलने लगी है। (ii) दोषों का पर्दाफाश करना बुरी बात नहीं है। ..... प्रति अच्छी भावना जगती है। (iii) भारतवर्ष सदा कानून को धर्म के रूप में देखता आ रहा है। .... उठाने में संकोच नहीं करते।

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ग) **2.** (ग) **3.** (ग) **4.** (ख)

व्याकरण अभिव्यक्ति–

2. (क) बेटा, सूत, लाल (ख) शंका, दुविधा, संशय (ग) आर्यावर्त, इंडिया, जम्बुद्वीप (घ) दुनिया, संसार, जगत (ङ) गौरव, महत्त्व,

महिमा (च) ज्ञान, विवेक, गुण

3. कोणार्क

भाषा अभिव्यक्ति–

(क) कोणार्क दो शब्दों से मिलकर बना है- कोण और आर्क। ..... होता है सूर्य के लिए। **(ख)** तेहरवीं शताब्दी में **(ग)** इतिहास साक्षी है कि सभ्यता के ..... पूजा आराधना की। **(घ)** कोने के आकार के तथा बारह वर्ष

भाषा अभिव्यक्ति (लिखित)–

(क) उड़ीसा की तीन स्वर्णिम नगरियों ..... और उदात्त भावना का उदाहरण। **(ख)** प्रवेश द्वार में दो सिंह रक्षक की तरह ..... नीचे एक-एक व्यक्ति है। **(ग)** सूर्य से हमें ऊर्जा, प्रकाश, ... चेतना मिलती है। **(घ)** समय का चक्र सूर्य द्वारा ही संचालित होता है, ... भी हमें सूर्य ही दिखाता है। **(ङ)** ये दोनों सूर्य प्रकाश की उपस्थिति में ही संपन्न होते हैं। **(च)** मेरे निर्माण के लिए की गई संकल्पना अत्यंत ..... सरंचना सब कुछ दर्शनीय है। **(छ)** नट मंदिर है जहाँ भगवान सूर्य के ..... सूर्य का भोग तैयार होता था। **(ज)** यहाँ सूर्य की तीन मूर्तियाँ इस प्रकार रखी ..... सूर्यास्त की रोशनी पड़ती है।

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ग) **2.** (ख) **3.** (ख) **4.** (ग) **5.** (ख) **6.** (ग) **7.** (क) **8.** (क)

व्याकरण अभिव्यक्ति–

1. (क) बक-बक (ख) डबडबा (ग) खटपट (घ) टर्र-टर्र (ङ) भिनभिना (च) टिक-टिक

2. (क) व्यक्तिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन; जातिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन (ख) सर्वनाम, एकवचन; सकर्मक क्रिया, एकवचन (ग) नकारात्मक संबंधबोधक अव्यय (घ) जातिवाचक, सकर्मक क्रिया

4. छोटा जादूगर

भाषा अभिव्यक्ति–

(क) कार्निवाल के मैदान में **(ख)** माँ-पिता और वह स्वयं **(ग)** बारह खिलौने **(घ)** देश के लिए

भाषा अभिव्यक्ति (लिखित)–

(क) जादू दिखाकर **(ख)** ''पहले भरपेट पकौड़ी ..... सूती कंबल लूँगा।'' **(ग)** उस दिन कार्निवाल के ..... हँसते-हँसते लोट-पोट हो गए। **(घ)** उस दिन कार्निवाल के सब ..... यही तो संसार है। **(ङ)** क्योंकि इस समय उसे बीमार माँ के पास रहना चाहिए था। **(च)** वह स्वावलंबी, मातृभक्त और परिश्रमी था। **(छ)** (i) क्योकि उसकी माँ बीमार थी और उसके पास पैसे नहीं थे। (ii) जीवन में कठिन परिस्थितियाँ लोगों को शीघ्र ही चतुर बना देती है। (iii) लड़के की बातों से ही उसके अभिनय का बोध हो रहा था।

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ख) **2.** (क) **3.** (ग)

व्याकरण अभिव्यक्ति–

1. (क) के पीछे (ख) के सारे (ग) के बिना (घ) के पीछे (ङ) के नीचे

5. प्रभाती

भाषा अभिव्यक्ति–

(क) रघुवीर सहाय **(ख)** अनगिनत तारों को **(ग)** खिले हुए फूल के आगोश जैसा क्षण। **(घ)** किसानों को

भाषा अभिव्यक्ति (लिखित)–

(क) तारे **(ख)** स्वप्न लोक **(ग)** श्रमजीवी **(घ)** लोगों में जागृति आए तथा उनका पल-पल प्रकाशमय हो। **(ङ)** भह निरंतर गति करता है। **(च)** ग्रीष्मकाल में दिन सुबह में ही गर्म हो जाता है तथा दोपहर में अत्यंत गर्म रहता है। **(छ)** क्योंकि नींद टूटते ही स्वप्न भी टूट जाता है। **(ज)** प्रस्तुत पंक्तियों में कवि लोगों में जागृति लाने एवं उसके पल-पल प्रकाशमय होने की अभिलाषा रखता है।

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (घ) **2.** (क) **3.** (क)

व्याकरण अभिव्यक्ति–

2. (क) व्यक्तिवाचक (ख) समूहवाचक (ग) भाववाचक (घ) जातिवाचक (ङ) जातिवाचक **3.** (ख) घबराहट (ग) पिसावट (घ) लिखावट (ङ) पढ़ाई (च) सिलाई **4.** (क) शाम (ख) गरमी (ग) सक्रिय (घ) तल (ङ) पराया (च) आकाश **5.** (क) दूरदर्शी (ख) अदृश्य (ग) अजेय (घ) अनुदार (ङ) नीरस

6. इच्छापूर्ण

भाषा अभिव्यक्ति–

(क) पेट दर्द का **(ख)** इससे पेट दर्द को दूर किया जा सकता है। **(ग)** इच्छा रानी

भाषा अभिव्यक्ति (लिखित)–

1. (क) वह पिता के रूप में था। **(ख)** वे जीवन के अच्छे-बुरे परिणाम को जानते थे। **(ग)** क्योंकि वह अभी बड़ा चुका था। **(घ)** जीवन का आनंद सही अवस्था में ही प्राप्त किया जा सकता है। **(ङ)** वह बच्चे के रूप में होने पर भी बच्चों के समान चंचल नहीं थे। **(च)** वे अब अपनी मर्जी से जी सकते थे। **(छ)** प्रत्येक कर्म अवस्था के अनुसार ही अच्छी होती है।

2. (क) मैं कमजोर क्यों रहा हूँ? (ख) मुझे कहाँ जाते समय शिकायते हुआ करती थी? (ग) पिता-पुत्र अपनी-अपनी उम्र बदल जाने की कामना क्यों कर रहे थे?

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ख) **2.** (ग) **3.** (ग) **4.** (ख)

व्याकरण अभिव्यक्ति–

1. (क) शृंखला (ख) गुलदस्ता (ग) ढेर (घ) समूह (ङ) मंडली (च) दल

2. 1. (ख) 2. (ग) 3. (क) 4. (ग) 5. (क) 6. (ख) 7. (ख)

7. हींगवाला

भाषा अभिव्यक्ति–

(क) 35 वर्ष **(ख)** क्योंकि वह कुछ दिनों के लिए अपने देश जा रहा था। **(ग)** सात पैसे के भाव से पाँच तोले के पैंतीस पैसे **(घ)** तुम माँ से पैसा ना माँगों। ..... वह खान है।'' **(ङ)** काली का जुलूस

भाषा अभिव्यक्ति (लिखित)–

(क) पीठ पर बाँधे हुए ..... बने हुए चबूतरे पर बैठ गया। **(ख)** वह बैठ गया और ..... बहुत दिनों में लौटेगा।'' **(ग)** वह उसी स्वर में फिर ..... ले, लो पर लो जरूर।'' **(घ)** पैंतीस **(ङ)** काली का जुलूस **(च)** '' तुम माँ से पैसा ना ..... खाना तैयार है, खाओ।'' **(छ)** वह अपने बच्चों की सलामती के लिए चिंतित थी। **(ज)** उसने बच्चों को पैसों का, ... न माने, सो न माने।

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (क) **2.** (ग) **3.** (ब)

व्याकरण अभिव्यक्ति–

1. (i) (ग) (ii) (ख) (iii) (क) (iv) (ख) (v) (ग) (vi) (ग) (vii) (क)

2. (क) डर से काँपना (ख) विपत्ति आना (ग) शिथिल हो जाना

3. (क) विकारी (ख) अविकारी (ग) अविकारी (घ) विकारी (ङ) विकारी (च) अविकारी

8. श्रेय

भाषा अभिव्यक्ति–

(क) गाँवों में **(ख)** भगवत् भजन का **(ग)** संतान का सुख **(घ)** उसका मित्र **(ङ)** उसे ठंड से बचने के लिए आग के पास बुलाया तथा स्वयं बर्फ हटाने लगा। **(च)** मूरत ने उसे चूल्हे के पास बिठाया और बालक को मिठाई दी।

भाषा अभिव्यक्ति (लिखित)–

(क) उसे बालक से प्रेम हो गया। **(ख)** ''परमात्मा की निष्काम ..... परमानंद प्राप्त होगा।'' **(ग)** लालू धन्यवाद करके चल दिया।

..... दोनों शीत के मारे काँप रहे थे। **(घ)** वह बड़ा सदाचारी, सत्य-वक्ता, ... धोखा न देता था। **(ङ)** उसकी पत्नी और बच्चे मर जाने के कारण। **(च)** ''मूरत! ऐसा मम कहो। ..... सुख से सुखी नहीं होते।'' **(छ)** मूरत ने ग्रंथों को पढ़ना ..... अपना जीवन बिताने लगा। **(ज)** ''मैं एक सिपाही की ..... वह काम पर रख ले।''

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ख) **2.** (ग) **3.** (ग)

व्याकरण अभिव्यक्ति–

1. (क) विस्मयवाचक (ख) विधानवाचक (ग) प्रश्नवाचक

9. माँ कह एक कहानी

भाषा अभिव्यक्ति–

(क) यशोधरा अपने पुत्र राहुल को **(ख)** बच्चे के पिता **(ग)** हंस धरती पर आ गिरा।

भाषा अभिव्यक्ति (लिखित)–

(क) अपने पुत्र राहुल के लिए **(ख)** हंस **(ग)** शिकारी के साथ **(घ)** क्योंकि उसने अपने बाण से उसे मारा था। **(ङ)** दोनों फैसले के लिए राजा के दरबार में गए। **(च)** इसमें रक्षक को भक्षक से अधिक सम्मान दिया गया है। **(छ)** (i) शिकारी अपने लक्ष्य के सिद्ध होने पर खुश था। लेकिन यह एक कोमल पक्षी के प्रति था जिसे सही नहीं कहा जा सकता। (ii) रक्षक भक्षक से बड़ा होता है। इसलिए हंस पर रक्षक का हक है। (iii) पक्षी के पंख घायल हो गए थे। यह एक करूणा भरी कहानी के समान था।

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ग) **2.** (क) **3.** (ग) **4.** (क) **5.** (ख) **6.** (ख) **7.** (ख)

व्याकरण अभिव्यक्ति–

1. (क) कहानी-मानी (ख) चेटी-लेटी (ग) तेरे-मेरे (घ) खिले-मिले

2. (क) चाँदनी (ख) गुदगुदी (ग) तरल (घ) नखरीला (ङ) चंचल (च) चमकदार

3. (क) निर्दय (ख) जटिल (ग) भक्षक (घ) पक्ष (ङ) न्याय (च) हानि (छ) बुरा (ज) जाना (झ) विदेश (ञ) रौद्र

4. (ख) अक्षर, भेद (ग) दिन, कारखाना (घ) पंख, की और से (ङ) हाथ, टैक्स

10. अशोक का शस्त्र-त्याग

भाषा अभिव्यक्ति–

1. (क) चार **(ख)** क्योंकि कलिंग की वीरांगनाएँ हार नहीं मानी थीं। **(ग)** पद्मा **(घ)** यह शास्त्र की आज्ञा है। **(ङ)** वह निहत्थे पर हथियार नहीं उठाती थी। **(च)** बौद्ध धर्म **2.** स्वयं कीजिए।

भाषा अभिव्यक्ति (लिखित)–

(क) आज चार साल से यह ..... क्या होगा इसका परिणाम? **(ख)** महाराज अशोक की जय ..... लड़ाई में मारे गए हैं। **(ग)** कलिंग का फाटक खुलवाने हेतु। **(घ)** युद्ध में असंख्य लोगों के मृत्यु के दृश्य को देखकर उसका हृदय परिवर्तित हो गया। **(ङ)** बौद्ध भिक्षु ने **(च)** क्योंकि उसके अंदर से वीरांगनाओं की सेनाएँ आ रही थी। **(छ)** बहिनो! तुम वीर-कन्या, ... आँखें बंद कर लोगी। **(ज)** मैं कलिंग महाराज की .... द्वंद्व-युद्ध करना चाहती हूँ। **(झ)** (सिर झुकाकर) तो लीजिए बदला, ... झुकाकर खड़े हो जाते हैं।) **(ञ)** तो जाएँ महाराज! स्त्रियाँ भी निहत्थों पर वार नहीं करेंगी।

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (क) **2.** (ग)

व्याकरण अभिव्यक्ति–

1. (क) देश की भक्ति-तत्पुरूष (ख) राजा की पुत्री-तत्पुरूष (ग) विधि के अनुसार-तत्पुरूष (घ) फूल और काँटा-द्वंद्व (ङ) युद् की भूमि-अव्ययीभाव (च) प्रत्येक क्षण-अव्ययीभाव (छ) मानव-दानव- द्वंद्व (ज)

विजय की इच्छा–अव्ययीभाव

3. (क) अन्याय (ख) अपकार (ग) कायर (घ) कृतज्ञ (ङ) वाचाल

4. (क) संख्यावाचक (ख) सार्वनामिक (ग) संख्यावाचक (घ) सार्वनामिक (ङ) संख्यावाचक

11. देवताओं का अंचल:कुल्लू

भाषा अभिव्यक्ति–

1. (क) कुल्लू–प्रदेश में जाते हुए व्यास नदी को ..... पार करना पड़ता है। (ख) लारी चार–मील की रफ्तार से तेज न चले, ... कोई आर–पार न जा सके। (ग) मणिकण तीर्थ स्थान है। यहाँ गरम पानी के ..... उबाले जा सकते है। (घ) यहाँ पर दशहरे के दिन विजयी राम ..... तक देवता शामिल होते है। (ङ) 23 मील दूर (च) भीम की पत्नी **2.** स्वयं कीजिए।

भाषा अभिव्यक्ति (लिखित)–

(क) चार मील की रफ्तार से गुजरती है। **(ख)** पक्की सड़क बन जाने से शिमला से फैशनेबल सैलानी ..... सीधे मनाली आ सकते है। **(ग)** दशहरे के दिन विजयी राम का उत्सव बनाया जाता है। **(घ)** कुल्लू प्राचीन हिंदू –सभ्यता का गहवारा है ..... की उपासना के लिए जाते हैं। **(ङ)** कुल्लू का नाम देवताओं का ..... निवासियों द्वारा पूजे जाते थे। **(च)** मनाली या मुनाली ने यह ..... जो यहाँ बहुतायत में होता है। **(छ)** इस मार्ग पर मनाली से दो मील ..... वहाँ पूजी भी जाती है। **(ज)** कुल्लू–प्रांत में व्यास–कुंड तथा व्यासमुनि, ... प्रतिष्ठित होकर पूजा जाता है।

व्याकरण अभिव्यक्ति–

1. (क) पक्षी (ख) वस्त्र (ग) श्रेष्ठ (घ) असीम

2. (क) किनारे–किनारे – स्थानवाचक (ख) दस बजे – कालवाचक (ग) धीरे–धीरे – रीतिवाचक (घ) कहीं–कहीं – स्थानवाचक (ङ) की मात्रा – परिणामवाचक (च) आस–पास – स्थानवाचक (छ) हजारों की – परिणामवाचक (ज) यहीं – स्थानवाचक

3. (क) सरल (ख) मिश्रित (ग) मिश्रित (घ) संयुक्त (ङ) सरल (च) संयुक्त

4. (ख) बहुत (ग) यह (घ) बड़ी (ङ) भव्य

12. पंच परमेश्वर

भाषा अभिव्यक्ति–

(क) जुम्मन उसकी देखभाल सही ढंग से नहीं कर पा रहा था। **(ख)** खाला के **(ग)** समझू साहू से बैल का पैसा लेने हेतु।

भाषा अभिव्यक्ति (लिखित)–

(क) वह जुम्मन से अपना भरण–पोषण के लिए न्याय चाहती थी। **(ख)** समझू सादू को **(ग)** वे इक्का–गाड़ी हाँकते थे। ..... और गाँव में बेचते। **(घ)** विचारों का मिलना **(ङ)** क्योंकि वह जानती थी कि पंच परमेश्वर के समान होता है उसके साथ न्याय होगा। **(च)** अलगू का जुम्मन के विरोध में फैसला करने पर **(छ)** अत्यधिक श्रम करवाने से **(ज)** जुम्मन शेख एक समझदार एवं सही सोच का व्यक्ति था। **(झ)** (i) यह अलगू चौधरी के द्वारा अपने पक्ष में फैसला न करने पर जुम्मन की प्रतिक्रिया थी। (ii) पंच बनने पर सभी को अपने उत्तरदायित्व का ज्ञान हो जाता है। (iii) दोनों जब पंच बने तो पंच की महत्ता का ज्ञान होते ही एक दूसरे की भूल को भूलकर एक हो गए।

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ग) **2.** (ग) **3.** (क) **4.** (ख) **5.** (ख) **6.** (क)

व्याकरण अभिव्यक्ति–

1. स्वंय कीजिए।

2. (क) निष्कपट (ख) निश्चल (ग) निष्फल (घ) नीरस (ङ) निष्काम (च) निस्तेज (छ)

मनोविकार (ज) निश्चिंत

3. (क) चित्रकार (ख) दर्शनीय (ग) निर्दय (घ) नीरस (ङ) परोपकारी (च) विद्यार्थी

13. हम पंछी उन्मुक्त गगन के

भाषा अभिव्यक्ति–

(क) उन्मुक्त गगन में **(ख)** बहता जल **(ग)** पक्षी स्वतंत्र अवस्था में ही गा पाते हैं। **(घ)** पेड़ की ऊँची डाल पर।

भाषा अभिव्यक्ति (लिखित)–

(क) पिंजरे के सोने की कटोरी में रखी मैदा **(ख)** पेड़ की ऊँची डाल पर के झूले। **(ग)** असीमित क्षितिज तक **(घ)** क्योंकि वे स्वतंत्रता का जीवन जीना पंसद करते हैं। **(ङ)** इस कविता में कवि शिवमंगल ..... कभी सुखी नहीं रह पाता। **(च)** बहता जल पीना, कटुक निबौरी खाना, असीमित सीमा तक उड़ना आदि। **(छ)** मनुष्य भी पक्षी के समान बंदी का जीवन नहीं जीना चाहता, वह भी स्वतंत्रता अवस्था में जीने की इच्छा रखता है।

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (क) **2.** (ख) **3.** (क) **4.** (क) **5.** (क) **6.** (क) **7.** (ख)

व्याकरण अभिव्यक्ति–

1. (क) को (ख) की (ग) में (घ) से (ङ) ने (च) के लिए

14. काका हाथरसी के पत्र

भाषा अभिव्यक्ति–

(क) पद्म श्री **(ख)** राष्ट्रपति भवन में **(ग)** लोदी होटल, कमरा न. 224, नई दिल्ली **(घ)** न्यूयार्क से **(ङ)** 2 महीने 22 दिन **(च)** उपहार के सामान

भाषा अभिव्यक्ति (लिखित)–

(क) राष्ट्रपति भवन का दरबार ..... क्लिक कर रही थी। **(ख)** पद्मभूषण मिलना चाहिए था।'' ..... भी मिल जाएगा।'' **(ग)** 4 दिन के लिए सरकार ..... काकी से मिलेंगे। **(घ)** यहाँ अब तक 15 हवाई-यात्राएँ ..... सैर नहीं कर सके होगे। **(ङ)** यहाँ सफाई, चमक-दमक और ईमानदारी स्तुत्य है। **(च)** यहाँ कुछ कष्ट नहीं है। ..... समय घूमने जाते है। **(छ)** हमारे होस्ट कहते हैं, ... तो सब ताज्जुब करते है। **(ज)** जन्मभूमि भारत की याद आती है।

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ग) **2.** (क) **3.** (ख)

व्याकरण अभिव्यक्ति–

1. (क) अजन्मा (ख) अजर (ग) अमर (घ) अनुदार (ङ) दूरदर्शी (च) मांसाहारी

2. (क) उसने संतोष की सांस ली। (ख) सविता जोर से हँसी है। (ग) उसने धीमी स्वर में बोला।(घ) मुझे बहुत आनंद आता है। (ङ) मैं पुस्तक पढ़ता हूँ। **3.** स्वयं कीजिए।

4. (क) व्यक्ति (ख) सेठ (ग) सफलता (घ) व्यक्ति (ङ) परिवार (च) नागरिक

5. (क) पसीना छुड़ाना (ख) प्रसन्न होना (ग) अनपढ़ होना (घ) व्यर्थ का काम करना (ङ) झूठ बोलना **6.** स्वयं कीजिए।

7. (क) दुर्भाग्य (ख) नीरस (ग) कृतघ्न (घ) विदेश (ङ) उष्ण

15. मित्रता

भाषा अभिव्यक्ति–

(क) जब कोई पुरुष अपने घर से ..... मित्र चुनने में होती है। **(ख)** ऐसे लोगों का साथ करना हमारे लिए ..... विरोध के मान लेनी पड़ती है। **(ग)** ''विश्वासपात्र मित्र से बड़ी भारी ..... खजाना मिल गया।'' **(घ)** छात्रावस्था में मित्रता की धुन सवार रहती है। **(ङ)** राम धीर और शांत प्रकृति के थे, ... की मित्रता खूब निभी। **(च)** कुसंग का ज्वर सबसे भयानक होता है।

भाषा अभिव्यक्ति (लिखित)–

(क) ऐसे लोगों का साथ करना हमारे लिए बुरा

है ..... युवकों को प्रातः बहुत कम रहता है। **(ख)** हँसमुख चेहरा, बातचीत का ढंग, थोड़ी . ..... उसे अपना बना लेते हैं। **(ग)** हमे अपने मित्रों से यह आशा रखनी चाहिए कि .... तब हमें उत्साहित करेंगे। **(घ)** किसी युवा पुरुष की संगति यदि ..... के गड्ढे में गिराती जाएगी। **(ङ)** विश्वासपात्र मित्र से बड़ी भारी रक्षा रहती है। कि खजाना मिल गया।'' **(च)** सच्ची मित्रता में उत्तम वैद्य की-सी निपुणता ... . व्यक्ति को करना चाहिए। **(छ)** इंग्लैंड के एक विद्वान को युवावस्था ..... भाग्य को सराहता रहा। **(ज)** जब एक बार मनुष्य अपना पैर कीचड़ ..... के भक्त बन जाओगे। **(झ)** बुरे लोगों की संगति में जाने से ..... प्रभाव पड़ ही जाता है।

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ख) **2.** (घ) **3.** (घ)

व्याकरण अभिव्यक्ति–

1. (क) धर्मार्थ (ख) बाल्यावस्था (ग) परोपकार (घ) सहानुभूति (ङ) पदार्पण (च) सूर्योदय (छ) युवावस्था (ज) उज्जवल

2. (क) विशाल (ख) कठोर (ग) कोमल (घ) हरा (ङ) खट्टी (च) चमकदार (छ) सफेद (ज) मीठा

3. (क) के नीचे (ख) को (ग) के पास (घ) से (ङ) के पास

4. (क) और (ख) तथा (ग) जबकि (घ) लेकिन (ङ) या

16. समय

भाषा अभिव्यक्ति–

(क) प्रत्येक काम तत्काल करने की प्रेरणा दी है। **(ख)** संदेह को दूर कर आत्मविश्वास जगाया जा सकता हैं **(ग)** सपने के इंतजार में लोग स्वयं को नष्ट करने लग जाते है। **(घ)** हम पछताते हैं। **(ङ)** आत्मसुख **(च)** आलसी व्यक्ति

भाषा अभिव्यक्ति (लिखित)–

(क) अच्छे अवसर **(ख)** प्रत्येक कार्य समय पर **(ग)** स्वप्न पूरे नहीं हो पाने पर दुःख झेलना पड़ता है। **(घ)** जब समय को व्यर्थ ही नष्ट किया जाता है। **(ङ)** क्योंकि किसी कार्य को शुरू करने की समय नियत नहीं होता। **(च)** प्रत्येक पल का सदुपयोग करके **(छ)** स्वप्न को पूरा करने के लिए निरंतर कर्मरत रहना चाहिए। **(ज)** इसके द्वारा व्यक्ति लक्ष्य की प्राप्ति कर पाता है। जिससे उसे मनोवाछित फल मिलता है तथा वह महानता को प्राप्त करता है।

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (घ) **2.** (क)

व्याकरण अभिव्यक्ति–

1. स्वयं कीजिए। **2.** स्वयं कीजिए।

3. (क) उद्योगी (ख) बुद्धि (ग) विद्यालय (घ) गंगा (ङ) अर्द्ध (च) शुद्ध (छ) चिह्न

4. (क) जिज्ञासु (ख) सत्यवादी (ग) अविश्वसनीय (घ) कृतज्ञ (ङ) अनुचर (च) हार्दिक (छ) चित्रकार (ज) दर्शनीय

17. बूढ़ी काकी

भाषा अभिव्यक्ति–

(क) भतीजे को **(ख)** रूपा **(ग)** लाडली **(घ)** बड़े लड़के के तिलक अपने पर **(ङ)** भतीजे एवं रूपा के कठोर व्यवहार पर। **(च)** भूख न मिट पाने पर **(छ)** रूपा ने

भाषा अभिव्यक्ति (लिखित)–

(क) भतीजे को बुढ़ापे में देखभाल हेतु। **(ख)** डेढ़-दौ सो रूपये **(ग)** विशेष व्यय **(घ)** लाडली अपने दोनों भाइयो ..... कही अधिक सुलभ थी। **(ङ)** बूढ़ी काकी ने सिर उठाया, ... कोठरी में चली गई। **(च)** बुद्धिराम ने मुझे घसीटा, पटका। **(छ)** लाडली की आँखें में नींद ..... उसे सोने ने देती थी। **(ज)** बुढ़ापे में बचपन के समान ही मनोभाव उत्पन्न हो जाते हैं। **(झ)** भतीजे ने

सारी संपत्ति ..... कठिनाई से मिलता था। **(ञ)** कोई चुटी काटकर भागता, ... पानी की कुल्ली कर देता। **(ट)** बूढ़ी काकी की कल्पना में ..... कड़ाह के पास आ बैठी। **(ठ)** सहसा उनके कानों में ..... ये मेरे हिस्से की हैं।''

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ग) **2.** (ख) **3.** (ख) **4.** (ख)

व्याकरण अभिव्यक्ति–

4. (क) अविकारी (ख) अविकारी (ग) विकारी (घ) अविकारी

5. (क) शाबाश! – विस्मयादिबोधक

(ख) इसलिए – समुच्चयबोधक

(ग) के बाहर – संबंधबोधक

(घ) के भीतर – संबंधबोधक

(ङ) के बिना – संबंधबोधक

6. (क) के पास (ख) के सहारे (ग) सभी (घ) चीख (ङ) किसी **7.** (क) माथा पीटने से क्या होगा। (ख) नाक कटवा देगी (ग) मुँह जूठा करके (घ) तकदीर, सो

अनाया हिंदी-7

1. स्नेह-शपथ

भाषा अभिव्यक्ति–

(क) कवि जिह्वा से किसी को कठोर वचन बोलने की भूल करने से रोक रहा है। **(ख)** भेदभाव और कड़वाहट भरे रिश्तों को प्यार से भरा जा सकता है। **(ग)** मित्र-शत्रु, परिचित और अपरिचित सभी पर स्नेह से भरा हृदय उड़ेला जा सकता है।

भाषा अभिव्यक्ति (लिखित)–

(क) सभी व्यक्ति प्रेम का भूखा होता है। **(ख)** स्नेहयुक्त शब्दों से सामने वाले का हृदय बदल सकता है तथा उसे रास्ते पर लाया जा सकता है। जबकि कठोर वचन के प्रति वह प्रतिक्रिया कर सकता है। **(ग)** प्रस्तुत कविता में कवि ने स्नेह ..... का समाधाान ढूँढ़ा जा सकता है। **(घ)** (i) संबंध में कितनी भी कटुता आ जाए, उसे प्यार और स्नेह से दूर किया जा सकता है। (ii) दुष्ट व्यक्ति को भी स्नेह भरे वचनों से बदला जा सकता है।

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (क) **2.** (ख) **3.** (ख) **4.** (ग)

व्याकरण अभिव्यक्ति–

1. (क) अरी (ख) संतप्त (ग) सिंगार (घ) उपवास (ङ) वेणी **2.** (क) जिह्वा (ख) यत्न (ग) कर्म (घ) भिक्षा

3. (क) स्त्रीलिंग (ख) स्त्रीलिंग (ग) पुल्लिंग (घ) स्त्रीलिंग (ङ) पुल्लिंग (च) पुल्लिंग

4. (क) मुलायम (ख) थोड़ा/तनिक (ग) सूख जाना (घ) साक्षी (ङ) चित

5. कहाँ, मैं, उन्हें, गाँव, अँधेरा, नदियाँ, अंग्रेजी, चंद्रमा, हँसमुख

2. हँसते-हँसते जीना

भाषा अभिव्यक्ति–

(क) स्टालिन एक तानाशाह था। गाँधी एक महामानव थे। **(ख)** स्टालिन डंडे के बल पर कार्य करवाता था जबकि गाँधी प्रेम व स्नेहपूर्वक। **(ग)** समाज में जब एक-दूसरे पर कटाक्ष करते हैं। **(घ)** जो पराजय में भी हँसता है। **(ङ)** प्रेमचंद को **(च)** जिंदगी जिंदादिली का नाम है।

भाषा अभिव्यक्ति (लिखित)–

1. (क) जो हँस सकता है, वह मित्र ..... किया जा सकता है। (ख) समाज में बहुत-सा खून-खराबा ..... सम्मान का प्रश्न बना लेते है। (ग) जो हँस सकता है वह पराजय में भी हास्य ..... जीत में बदल जाती है। (घ) जो हँस नहीं सकता, वह दुखी तो है ही, ... को भी दुखी देखना चाहता है। (ङ) हँसना एक नियामत है और जो इस ..... और सम्मान का प्रश्न बना लेते है। (च) एक बार एक व्यक्ति जल्दी में किसी से टकरा। ..... पर

थे तो चिंता न करें।'' (छ) शामत का मारा एक व्यापारी शहर के चुनाव ..... उसके साथ हँस रहा था। (ज) स्टालिन तानाशाह हैं, लाखों-करोड़ों से डंडे के बल ..... आशा नहीं की जा सकती थी। (झ) जिदगी जिंदादिली का नाम हो हँसिए और खूब ..... से दूर भागने का नाम न हो।' (ञ) प्रेमचंद जिंदगी भर बीमार रहते हुए गरीबी ..... निश्छल हँसी हँसता था वह कलम का सिपाही। **2.** (क) हमें बच्चों के बीच होने वाली कटाक्षपूर्ण बातों को निष्पक्ष रूप में तथा हँसी में लेना चाहिए। (ख) पराजय में लोग प्राय: दु:खी या क्रोधित हो जाते हैं लेकिन पराजय को भी जो अवसर की चूक समझ, उसे अपनी गलती समझ कर हँसता है। आगे वही व्यक्ति विजयी होता है। (ग) जिंदगी में प्रतिक्षण अनेक समस्याओं को दूर करते रहना पड़ता है, उसे अपना कर्तव्य समझना चाहिए, उसका प्रतिकार नहीं करना चाहिए।

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ग) **2.** (क) **3.** (ख) **4.** (घ) **5.** (क)

व्याकरण अभिव्यक्ति–

1. (क) (iv) (ख) (ii) (ग) (i) (घ) (i) (ङ) (iii) **2.** इसलिए जिंदगी जिंदादिली का नाम है। हँसिए और खूब हँसिए। शर्तें सिर्फ तीन है– हँसी मुखौटा न हो, दुश्मनी के मुँह पर पड़ा झूठा नकाब न हो, हँसी ऐसी न हो कि दूसरा सुनकर रोए, साथ न हँस सके, हँसी जिदंगी से पलायन असलियतों से दूर भागने का नाम न हो, जिदंगी संग्राम तो है ही, लेकिन उसे हम धर्मयुद्ध बनाएँ, गाली-गलौज वाला सस्ता फसाद नहीं। और इस धर्मयुद्ध को हम हँसते-हँसते लड़ें, मुँह लटकाकर नहीं, मनहूसियत से नहीं।

3. हँस + ई = हँसी, हँस + ता = हँसता

3. कश्मीरी सेब

भाषा अभिव्यक्ति–

(क) अच्छे, रंगदार, गुलाबी सेबी **(ख)** विटामिन और प्रोटीन **(ग)** सेब **(घ)** सड़े हुए

भाषा अभिव्यक्ति (लिखित)–

(क) एक सेब रोज खाइए जो आपको डॉक्टर की जरूरत न रहेगी। **(ख)** ''बाबूजी! बड़े मजेदार सेब आए ..... तबीयत खुश हो जाएगी।'' **(ग)** रात को सेब या कोई दूसरे फल खाने का कायदा ..... समय तो प्रात:काल है। **(घ)** मुझे आशा है, पाठक बाजार में जाकर ..... कश्मीरी सेब ही मिलेंगे। **(ङ)** आजकल लोग स्वास्थ्य रक्षा हेतु विटामिन और प्रोटीनयुक्त खाद्य पदार्थ खाने के प्रति जागरूक हो रहे हैं। **(च)** एक सेब का छिलका गल गया था ..... चौथा देखा। वह तो बेदाग था। **(छ)** समाज में अब अच्छे चरित्र वाले व्यक्ति कम देखने को मिलते हैं। **(ज)** उसने भाँप लिया कि यह महाशय अपनी आँखों से काम .... घर से लौटाने आएँ। **(झ)** एक बार मुहर्रम के मेले में एक ..... उल्टे मुझसे क्षमा माँगी।

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ग) **2.** (क) **3.** (क)

व्याकरण अभिव्यक्ति–

1. (क) मनुष्य, नर, आदम, मानव (ख) खुश, हर्ष, आनंद (ग) सुबह, भोर, उषा (घ) नजर, दृष्टि

2. (क) अशिक्षित (ख) असुरक्षित (ग) दु:ख (घ) असहयोग (ङ) सायंकाल (च) सद्गति (छ) ईमानदारी (ज) अनावश्यक

3. मेवाफरोशों, तबीयत, कचहरी, सुराख, रूमाल, कायदा

4. मेरा बचपन

भाषा अभिव्यक्ति–

(क) नौकरों के साथ **(ख)** रवीन्द्रनाथ ठाकुर का नौकर **(ग)** स्कूल जाने का मन न होने पर **(घ)** बड़ी बहन का लड़का सत्य और सोमेन्द्र **(ङ)** मौत का फंदा **(च)** विज्ञान और चित्रकारी

भाषा अभिव्यक्ति (लिखित)–

(क) उनका परिवार आर्थिक दृष्टि से संपन्न था। **(ख)** दूध के कटोरे भी बहुत पंसद थे। .... पसंद ही नहीं था। **(ग)** नौकर मुझे रामायण की कहानियाँ सुनाया करते और ..... पर बात भी करते थे। **(घ)** घर में मेरे भाई ज्योतिरिंद्र और भाभी कादंबरी मुझे कविता से जुड़ने में मदद करते। **(ङ)** चुस्त और आधुनिक बनने के ..... दादा के पास रहना पड़ा। **(च)** मुझे आश्चर्य होता– ''क्यों नहीं जाना? ..... इधर-उधर फेंकती चलती हैं।'' **(छ)** घर पढ़ाने वाले मास्टर जी बहुत नाराज हुए। ..... मुझे स्कूल से नफरत हो गई। **(ज)** स्कूल से अरूचि होने के बावजूद मेरी ... . के लोग घर आते रहते। **(झ)** जब मैं बारह वर्ष का था, मेरा ..... साथ स्कूल कैसे जा जाऊँगा? **(ञ)** पिताजी मुझे छोटे-मोटे काम करने ..... भिखारियों को भीख देता। **(ट)** डक की रैलिंग के पास अकेला ..... में जाकर लेट गया।

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ग) **2.** (ग) **3.** (का)

व्याकरण अभिव्यक्ति–

1. (क) (iii) (ख) (iv) (ग) (iv) (घ) (iii)

2. (क) (i) (ख) (iii) (ग) (i) (घ) (ii)

5. साइकिल की सवारी

भाषा अभिव्यक्ति–

(क) साइकिल चलाना सीख लें **(ख)** ताँगे का खर्च बचाने का **(ग)** उसके प्राण सूख जाते थे। **(घ)** बाते करने के लिए **(ङ)** तिवारी जी पर

भाषा अभिव्यक्ति (लिखित)–

(क) न हम साइकिल चला सकते हैं, न ही बाजा बजा सकते हैं। **(ख)** अब आप से क्या कहें कि लज्जा और ..... कृपा से पढ़े-लिखे हैं। **(ग)** ''मुझे तो आशा नहीं आपसे .... इन कपड़ों का क्या बनेगा?'' **(घ)** किसी पसंदीदा कार्य को करने के लिए मन में उत्सुकता के कारण लोग को नींद नहीं आती। **(ङ)** इधर हमने बाजार से जंबक के दो ..... समय इलाज किया जा सके। **(च)** इसका शुरूआत यों हुई कि हमारे लड़के ..... होकर निकलने लगा। **(छ)** हमने इस काम के लिए ..... साइकिल भी माँग ली है। **(ज)** ''आदमी तो ऐसा है एक, मगर ..... बीस ले लेगा हमारी खातिर।'' **(क)** उत्तर के सही निशान लगाइए।हर आदमी जो हमारी तरफ देखता ..... मुँडाते ही ओले पड़े। इस तरह दूसर दिन हम और हमारी ..... मिस्त्री की दुकान पर भेज दी।

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ख) **2.** (ग) **3.** (घ)

व्याकरण अभिव्यक्ति–

1. (क) चकमा देकर (ख) फूले न समाया (ग) दिल पसीज गया (घ) गला भर (ङ) प्राण सूख (च) आँखें मल-मल कर देख (छ) खाली हाथ

2. (क) (i) ध्यान (i) गुरू (iii) भंडार (iv) खोज (v) वायुयान (vi) चेतावनी (ख) जंबक, गवाँर, मिस्त्री, चकमा

3. (क) (iii) (ख) (i) (ग) (v) (घ) (vi) (ङ) (ii) (च) (iv)

4. (क) अध्यापिका; बच्चों को पढ़ा रही है।
(ख) महादेवी वर्मा; ने कई कविताएँ लिखीं।

5. (क) सबूत, नमस्कार (ख) दुख, आदत (ग) तरफ, एवं (घ) परिपक्व, ठोस (ङ) भंडार, खजाना (च) लहर, घोड़ा (छ) एक वाहन, धागा (ज) कंजूस, तलवार

6. चलना हमारा काम है

भाषा अभिव्यक्ति–

(क) मनुष्यों को **(ख)** जीवन पथिक के रूप में **(ग)** जीवन पथ पर भी रूकावट न आए।

(घ) सुख और दुख **(ङ)** लक्ष्य की प्राप्ति हेतु

भाषा अभिव्यक्ति (लिखित)–

1. (क) रास्ता सुगमता से कट गया। **(ख)** विशद (ग) जीवन पथ पर सभी को सक्रिय रहना पड़ता है। (घ) जो अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए निरंतर कार्यरत रहता था। (ङ) प्रत्येक मानव जीवन पथ का राही ही होता है। (च) इस जीवन में सुख-दुख का क्रम चलता रहता है। कोई पूर्ण नहीं होता। (छ) इस जीवन में उतार-चढ़ाव लगा रहता है, यह सत्य है तो फिर विधाता को क्यों दोष दिया जाए।

2. (क) कवि कहता है कि लक्ष्य की प्राप्ति हेतु हमें अथक परिश्रम करते रहना चाहिए। (ख) जीवन पथ पर अनेक राही मिलते हैं उनके साथ चलते रहने से रास्ता कट जाता है।

व्याकरण अभिव्यक्ति–

1. (क) कोई, कोई (ख) कुछ (ग) कोई (घ) किसी (ङ) कोई (च) किसी (छ) कुछ

2. (क) नहीं (ख) न (ग) मत (घ) नहीं (ङ) मत (च) मत

3. स्वयं कीजिए।

4. (क) नीर, सलिल (ख) जगत, जग (ग) पाषाण, शिला (घ) ताकत, बल (ङ) वायु, समीर

5. (क) कर्त्री (ख) लेखिका (ग) गुणवती (घ) तपस्विनी (ङ) आज्ञाकारिणी (च) पुजारिन (छ) स्वामिनी (ज) कवयित्री

7. भोलाराम की जीव

भाषा अभिव्यक्ति–

(क) वह देवता जो प्राणियों के पाप-पुण्य का लेखा-जोखा रखता है। वे भोलाराम की गलतियाँ तलाश रहे थे। **(ख)** भोलाराम की तलाश में **(ग)** दरख्वास्त पर वजन रखने हेतु।

भाषा अभिव्यक्ति (लिखित)–

(क) वापस लौटते समय भोलाराम का जीव चंगुल से निकल चुका था। **(ख)** पेंशन की फाइल में। **(ग)** नरक में पिछले सालों .... वह समस्या तो हल हो गई। **(घ)** ''महाराज, आजकल पृथ्वी पर ..... के लिए नहीं उड़ा दिया?'' **(ङ)** शासक एवं कर्मचारी वर्ग पर, क्योंकि ये सभी बिना पैसा लिए किसी का काम नहीं करते।

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ग) **2.** (ख) **3.** (क) **4.** (ग)

व्याकरण अभिव्यक्ति–

1. (क) अनजान (ख) हाथोंहाथ (ग) मासिक (घ) यथासंभव (ङ) यथाशक्ति (च) आजीवन (छ) बेमतलब (ज) बीचों बीच

2. (क) वाह (ख) अरे (ग) बाप रे (घ) शाबाश (ङ) धन्य (च) धत्

8. कुछ नए मनभावन खेल

भाषा अभिव्यक्ति–

(क) निर्भयता, उमंग, आत्मानुशासन, प्रेम आदि की भावना जागती है। **(ख)** तीन प्रकार के **(ग)** कनाडा और उत्तरी अमेरिका में **(घ)** रिवर राफ्टिंग, क्याकिंग, केनोइंग, पाल नौकायन आदि। **(ङ)** पैरासेलिंग में

भाषा अभिव्यक्ति (लिखित)–

(क) स्वयं कीजिए। **(ख)** स्थलीय, क्योंकि इसके लिए किसी खास साधन की आवश्यकता नहीं होती। **(ग)** पर्वतोरोहण के समय ऑक्सीजन-सिलिंडर, स्पीलिंग बैग, ... साथ ले जाना चाहिए। **(घ)** भारत में जोशीमठ के निकट ..... के लिए विश्वप्रसिद्ध है। **(ङ)** 26 नवंबर, 2005 को विजयपत सिंघानिया ..... विश्व रिकार्ड कायम किया। **(च)** स्वस्थ शरीर की कार्य सिद्धि का ..... और खेल अनिवार्य है। **(छ)** ऊँचे पहाड़ों, हिममंडित शिखरों पर ..... जैसे गुण अनिवार्य हैं। **(ज)** इस खेल में खुले मैदान में ..... की आवश्यकता होती है। **(झ)** नदी की तीव्र धारा के प्रवाह की ..... साहसिक कार्य हैं।

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ख) 2. (ग) 3. (क) 4. (ग) 5. (ख)

व्याकरण अभिव्यक्ति–

1. (क) के लिए (ख) के बिना (ग) के विपरीत (घ) के साथ (ङ) के साथ

2. स्वयं कीजिए।

9. अजंता की चित्रकला

भाषा अभिव्यक्ति–

(क) महाराष्ट्र में **(ख)** फरदापुर नामक गाँव के **(ग)** बधोरा **(घ)** गुप्तकालीन **(ङ)** पहली, दूसरी, सोलहवीं और सत्रहवीं गुफाओं के चित्रों के विशेष अंश बचे है।

भाषा अभिव्यक्ति (लिखित)–

(क) नदी में सर्पाकार इतने ..... का आभास भी नहीं होता। **(ख)** अजंता की गुफाएँ महाराष्ट्र ..... पहुँचा जा सकता है। **(ग)** घाटी में चारों ओर हरसिंगार का वन है। **(घ)** इस गुफा में केवल संध्या के समय .... किरणें प्रवेश पाती है। **(ङ)** कला की अभिव्यक्ति के लिए जिन ..... में शत-शत प्रणाम है। **(च)** चंपेय जातक की कथा है कि ..... बड़ी सफलता से अंकित है।

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ख) 2. (ख) 3. (क)

व्याकरण अभिव्यक्ति–

(क) वर्तुलाकार **(ख)** यथोचित **(ग)** प्रत्येक **(घ)** अन्वेषण **(ङ)** भवन **(च)** परमोजस्वी **(छ)** महेश **(ज)** भानूदय **(झ)** चित्ताकर्षक **(ञ)** आत्मोत्सर्ग

10. दोहा दशक

भाषा अभिव्यक्ति–

(क) विपत्ति में भी **(ख)** ईश्वर का **(ग)** दोहा संख्या 5 में

भाषा अभिव्यक्ति (लिखित)–

(क) गुरू का महत्त्व अधिक है। **(ख)** व्यथा को कोई दूर नहीं करता अपितु वह व्यक्ति को हँसी का पात्र बना देता है। **(ग)** वह सुख-दुख में साथ देता है। (घ) परोपकार के लिए सज्जन धन का संग्रह करते हैं। **(ङ)** बलिहारी गुरू अपने, गोविंद दियो बताए। **(च)** ईश्वर किसी भी रूप में मिल सकते हैं। **(छ)** धरती के समान ही हमें भी सुख -दुख का अनुभव करना चाहिए। **(ज)** वह बिना साबुन-पानी के हमारे हृदय से बुराइयों को दूर कर देता है।

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ख) 2. (ग) 3. (क)

व्याकरण अभिव्यक्ति–

1. (क) क्षमा (ख) सत्य (ग) हृदय (घ) पैर (ङ) तलवार (च) सरोवर

2. (क) दिन, दीन (ख) अवधि, अवधी (ग) सुत, सूत (घ) योग, योग्य (ङ) नीड़, नीर (च) मात्र, मातृ (छ) कर्म, क्रम

3. (क) दाएँ-बाएँ (ख) झमाझम (ग) सदा (घ) सुरीला (ङ) आज

11. बिंदा

भाषा अभिव्यक्ति–

(क) विंध्येश्वरी **(ख)** लेखिका की बाल सखी **(ग)** पंडिताइन चाची **(घ)** कुतिया, बिल्ली, कबूतर, गौरेया, बछिया, गाय **(ङ)** उसकी सौतेली माँ का व्यवहार बिंदा के प्रति अत्यंत कठोर था।

भाषा अभिव्यक्ति (लिखित)–

1. (क) एक चौदह वर्ष की बालिका को देखकर (ख) संसार का सारा कारोबार बच्चों .. .. जीवों को सौंपा गया है। (ग) लेखिका की माँ समझदार और दयालु थी। (घ) उसके अपराध अज्ञात थे। (ङ) वह अपनी माँ से सदा के लिए दूर होना नहीं चाहती थी। (च) वे अपनी गोरी, मोटी देह को ..... गुड़िया की समानता दे देते थे। (छ) उसकी माँ अपनी माँ थी जबकि बिंदा की नई अम्मा सौतेली थी।

(ज) उसका कभी झाड़ू देना, कभी ..... तमाशा जैसा लगता था। (झ) क्योंकि वहाँ उसे अपनी चाची से बचने का ढाल मिला गया था। (ञ) उसकी आवाज में कठोरता और निर्दयता की झलक मिलती थी।

3. (क) मानों किसी ने ऊपर से ..... छोटा कर दिया हो। (ख) पंडितान चाची का स्वर .... की याद दिलाती थीं। (ग) बिंदा की आँखे तो तुझे पिंजरे में बंद चिड़िया की याद दिलाती थीं। (घ) एक बार जब दो-तीन करके .... और एक घर में? (ङ) मेरी बुद्धि सहज ही पराजय ..... रहेंगी और न डाँटेगी।''

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ख) **2.** (ख) **3.** (क) **4.** (ख)

व्याकरण अभिव्यक्ति–

1. (क) मैं बिंदा की नई अम्मा को पंडिताइन चाची कहती थी। (ख) मेरे लिए घर के सब काम करने असंभव हैं। (ग) मैं मन-ही-मन न बुलाने का संकल्प कर लूँगा।

2. (क) कर्तृ वाच्य (ख) कर्म वाच्य (ग) कर्म वाच्य (घ) भाव वाच्य

12. गोशाला

भाषा अभिव्यक्ति–

(क) रामफल काका मेरे गाँव के सबसे धनी, किंतु कंजूस व्यक्ति हैं। **(ख)** अक्कल एक गरीब मजदूर किंतु हरफनमौला इंसान है। **(ग)** अक्कल की बेटी की शान को देखकर। **(घ)** गोशाला **(ङ)** रामफल के विरूद्ध शिकायत करने हेतु

भाषा अभिव्यक्ति (लिखित)–

(क) बूढ़ी, अपाहिज गायों, बैलों की रक्षा के लिए। **(ख)** जिस खेत की कोड़नी में अक्कल ..... कुशल हाथ उसमें जरूर हैं। **(ग)** उसके दो बेटे और एक बेटी थी। **(घ)** अपने इन गुणों के चलते अक्कल मजदूर ..... पाता था और पैसे भी। **(ङ)** गाँव में कभी साधु-संतु आते, तो ..... जरूर करता था। **(च)** उसमें मानवता का कोई गुण न था। **(छ)** क्या वही अक्कल आज ऐसा हो ..... वही बेघर-बार है। **(ज)** ''बाबू! जिंदगीभर उनकी सेवा की। इस ..... महरूम किया जाना चाहिए?'' **(झ)** ''गाँव में अब गुजारा नहीं होता, ... खाऊँगा और राम-नाम लेते ..''

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ग) **2.** (ग) **3.** (ख)

व्याकरण अभिव्यक्ति–

1. उच्चतर-उच्चतम; अधिकतर-अधिकतम; सुंदरतर-सुंदरतम; निम्नतर-निम्नतम; उत्तम-सर्वोतम

2. (क) भूख से मरा; अव्ययीभाव (ख) आराम की कुर्सी; तत्पुरूष (ग) व्यवहार में कुशल; तत्पुरूष; (घ) खाना और पीना; द्वंद्व (ङ) हर दिन; अव्ययीभाव (च) खर और पात; द्वंद्व (छ) पेट से भर; अव्ययीभाव (ज) कपड़ा और लत्ता; द्वं-द्व

13. शेर शिवाजी

भाषा अभिव्यक्ति–

(क) कुँवर रामसिंह द्वारा शिवाजी के पक्ष में बात करने के लिए। **(ख)** रामसिंह के पिता **(ग)** मिर्जासाहब शिवाजी के भविष्य के लिए चिंतित है। **(घ)** मेरे साम्राज्य में सभी इंसान स्वतंत्र रहे, महिलाओं का सम्मान हो तथा बच्चों का विकास हो। **(ङ)** अपनी तलवार को

भाषा अभिव्यक्ति (लिखित)–

(क) यहाँ आपके साथ कुछ भी किया जा सकता है। **(ख)** आपको कैद किया जा सकता है। ..... जुल्म ढाए जा सकते हैं। **(ग)** उसने शिवाजी को अपमानित किया था। **(घ)** स्वाभिमानी **(ङ)** नहीं **(च)** अपमानित होने के कारण। **(छ)** आप जिन राजा-महाराजाओं की चर्चा ..... मेरा घोर अपमान किया है। **(ज)** वे शिवाजी की वीरता और स्वाभिमान को

जानते थे। **(झ)** गुलामी स्वीकार न करने के लिए **(ञ)** मेरी एक कल्पना है, मेरा एक सपना है। ..... जिसकी मार्गदर्शिका। **(ट)** उन्हें आने वाले संकटों से ज्ञान कराकर उन्हें बचाना चाहता था। **(ठ)** पिंजरे में फँसकर जीवन नष्ट . ..... चमत्कार कर सकते हैं।

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (क) **2.** (ग) **3.** (क) **4.** (ग)

व्याकरण अभिव्यक्ति–

1. (क) जाना (ख) नरक (ग) दानव (घ) पिता (ङ) विद्वान (च) दिन

2. (क) अनल, पावक, अग्नि (ख) नीर, वारि, पानी (ग) वायु, समीर, पवन (घ) पृथ्वी, भू, धरती (ङ) आकाश, अंबर, नभ (च) चेला, अनुचर, अनुगामी

3. (क) (i) (ख) (ii) (ग) (ii) (घ) (iv) (ङ) (ii)

4. (क) (v) (ख) (viii) (ग) (i) (घ) (ii) (ङ) (iii) (च) (iv) (छ) (vi) (ज) (vii)

14. इतने ऊँचे उठो

भाषा अभिव्यक्ति–

(क) एक दृष्टि से **(ख)** धरती को स्वर्ग बनाने का। **(ग)** नए हाथों से

भाषा अभिव्यक्ति (लिखित)–

1. (क) समभाव (ख) गति (ग) सूरज, चाँद, चाँदनी और तारे (घ) युग को नई दिशा देकर (ङ) सभी प्रकार के भेदभावों को मिटाकर तथा समभाव से देखकर। (च) हमें लक्ष्य प्राप्ति के लिए हमेशा कर्मरत रहना चाहिए। (छ) कुरूप को सुंदर रूप देकर।

2. (क) इस युग को नया रूप देने के लिए प्रकृति के समान नया रूप देना होगा। (ख) शत्रुता को मिटाकर तथा समभाव को अपनाकर (ग) हमें युग में व्याप्त कुरीतियों को दूर कर इसे स्वच्छ एवं सुंदर बनाना चाहिए।

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ग) **2.** (क) **3.** (ग) **4.** (क)

व्याकरण अभिव्यक्ति–

1. (क) समता (ख) शीतल (ग) नई (घ) नूतन (ङ) प्रतिपल **2.** (क) दिन (ख) व्यय (ग) विष (घ) नगर (ङ) विराग (च) धैर्यवान (छ) अनादि (ज) अनुचित

15. प्रतिशोध

भाषा अभिव्यक्ति–

(क) महाराणा प्रताप से युद्ध न करने के लिए **(ख)** महाराणा प्रताप को **(ग)** मन्नाजी **(घ)** मानसिंह **(ङ)** तोपों एवं बंदूकों का

भाषा अभिव्यक्ति (लिखित)–

1. (क) हल्दीघाटी में (ख) महाराणा प्रताप और मुगल सेना के बीच (ग) चेतक (घ) मुगल सेना (ङ) महाराणा प्रताप से लड़ना (च) महाराणा प्रताप को मारकर (छ) मानसिंह की (ज) महाराणा प्रताप को बचाने के लिए (झ) उसने दो मुगल सरदारों को उसके पीछे छोड़ दिया। (ञ) उसने अपनी ही गोलियों से उन दोनों मुगल सरदारों को मार दी जो राणा प्रताप का पीछा कर रहे थे।

2. (क) बदले की भूख (ख) जय या पराजय (ग) जीवन कितना बेबस हो गया था। (घ) महाराणा प्रताप इतने कमजोर न थे। (ङ) चालें कामयाब हो रही थीं। (च) विषम परिस्थिति में भी अटल धैर्य (छ) धरती माँ के सम्मान

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ख) **2.** (ख) **3.** (ख)

व्याकरण अभिव्यक्ति–

(क) वर्तमान काल **(ख)** भविष्यत् काल **(ग)** भविष्यत् काल **(घ)** भूत काल **(ङ)** वर्तमान काल **(च)** वर्तमान काल **(छ)** भूत काल **(ज)** वर्तमान काल **(झ)** भूत काल **(ञ)** भविष्यत् काल

16. नीलू

भाषा अभिव्यक्ति–

(क) उसकी माँ की कथा **(ख)** भूटिया कुत्ते

से **(ग)** एक ठंड से मर गया तथा दूसरा ठंड से जूझने लगा था। **(घ)** वह लेखिका के कमरे के दरवाजे पर आकर खड़ा हो जाता था।

भाषा अभिव्यक्ति (लिखित)–

(क) एक संध्या के झुटपुटे में ..... ऐसा ही कुछ हुआ था। **(ख)** उसकी अल्सेशियन माँ, लूसी के नाम ..... वह सामान्य कुत्तों से भिन्न। **(ग)** हिंसक और क्रोधी भूटिये बाप .... भी आश्चर्य का विषय था। **(घ)** सबके सो जाने पर, वह गर्मियों ..... का चक्कर लगता रहता। **(ङ)** एक के पीछे एक निकलते हुए ..... के द्वार पर खड़ा रहा। **(च)** **(छ)** बड़े होने पर रोमों के भूरे, पीले .... मधु-सा पारर्शी लगता था। **(ज)** कुत्ते भाषा नहीं जानते, केवल ..... हिले-डुले खड़ा रहना पड़ता था। **(झ)** मनुष्य जिसके साथ रहता है, उससे ..... इस पाठ का मूल उद्देश्य है। **(ञ)** एक बार मोटर दुर्घटना में घायल ..... ही जमीन पर बैठ गया।

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ख) **2.** (ग) **3.** (क)

व्याकरण अभिव्यक्ति–

1. (क) वे (ख) उन्होंने, वह (ग) मुझे (घ) वह (ङ) उससे

2. नीलू; बालिका; नदी; जानवर; पंडित; पोशाक; पहाड़; बोली

3. अ + समर्थ, नुकीला + पन, स + कुशल, धर्म+ इक, परि + वेश, घबरा + आहट, आ + कृति, उदार + ता

17. लालच बुरी बला है

भाषा अभिव्यक्ति–

(क) फकीर को **(ख)** अस्सी **(ग)** एक फकीर **(घ)** उसमें असीम द्रव्य भरा हुआ था। **(ङ)** वह अंधा हो गया।

भाषा अभिव्यक्ति (लिखित)–

(क) वह धन इतना था कि उससे ..... शीघ्र ही उड़ा दिया। **(ख)** ''तुम रात-दिन बेकार मेहनत ..... के लिए काफी होगा।'' **(ग)** अशर्फियों के एक ढेर ..... शेर झटपता है। **(घ)** उसने मेरी बात का कोई ..... बसरा की ओर चल दिया। **(ङ)** वह अत्यधिक लालची तथा जिद्दी था। **(च)** कुछ दूर जाकर फकीर ने सूखी ..... एक भव्य भवन दिखाई दिया। **(छ)** मैं बाहर जाने ही वाला था . ..... वस्तुएँ रखी थी। **(ज)** मैं कुछ ही कदम चला था ..... दस ऊँट और ले जाआ।'' **(झ)** फकीर ने कहा, ''ऐसी बात न करो, ... के लिए अंधे हो जाओगे।'' **(ञ)** उसमें लालच की कोई सीमा न थी। उस लालच में अब्दुल्ला ने अपनी सारी संपत्ति एवं दोनों आँखें खो दी।

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ग) **2.** (क) **3.** (ख)

व्याकरण अभिव्यक्ति–

1. स्वयं कीजिए।

2. (क) जातिवाचक (ख) भाववाचक
(ग) व्यक्तिवाचक (घ) जातिवाचक
(ङ) व्यक्तिवाचक (च) जातिवाचक
(छ) जातिवाचक (ज) भाववाचक

3. (क) (i) चालीस ऊँटों का धन (ii) मेरे लिए पर्याप्त होगा। (ख) (i) रास्ते में चलते हुए में (ii) थककर पेड़ की छाँव में बैठ गया। (ग) (i) तुम दस ऊँट (ii) और ले लो।

4. (क) सरल (ख) संयुक्त (ग) मिश्र (घ) सरल

18. भक्ति के पद

भाषा अभिव्यक्ति–

(क) माँ मैंने माखन नहीं खाया है। **(ख)** मैं छोटा हूँ मेरी बाँह भी छोटी है फिर में छीकें तक कैसे पहुँचूँगा। **(ग)** भगवान श्रीराम के लिए

भाषा अभिव्यक्ति (लिखित)–

(क) संध्याकाल में **(ख)** वे बार-बार गिर

पड़ते हैं। **(ग)** भगवान श्रीराम के बालसुलभ कौतुक को देखकर **(घ)** तन-मन और धन **(ङ)** दूसरे पद में तुलसीदास ..... पुत्र को दुलार करती है। **(च)** वात्सल्य भाव से ओत-प्रोत सूरदास ..... सौंदर्य का वर्णन कर रहे है। **(छ)** दोनों पद अच्छे है। दोनों में क्रमशः भगवान श्री कृष्ण एवं भगवान श्रीराम की बाल लीलाओं का वर्णन है।

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ख) **2.** (ख) **3.** (ग) **4.** (ख) **5.** (ख)

व्याकरण अभिव्यक्ति–

1. (क) बाँहें (ख) हृदय (ग) अंतर (घ) झाड़ना

2. (क) सुरीला (ख) जन्मांध (ग) अदृश्य (घ) प्रत्यक्ष (ङ) सरस (च) नीरस

19. पेड़ हमारे मित्र

भाषा अभिव्यक्ति–

(क) छठी **(ख)** पेड़ लगाने का **(ग)** अच्छा **(घ)** बी.ए. की परीक्षा के लिए **(ङ)** सुंदर लाल ने

भाषा अभिव्यक्ति (लिखित)–

(क) उसने अपनी एक मित्र-मंडली ..... भावना जागृत की। **(ख)** उसे पेड़ न काटने की सलाह देता। **(ग)** वह समझ गया था कि यदि . ..... पास धन कहाँ से आएगा? **(घ)** इसके साथ ही उसने लोगों को ..... वृक्ष को काट नहीं सकेंगे। **(ङ)** जागरूकता लाकर तथा नए पौधे लगाकर **(च)** उसे पेड़ लगाने का बहुत ... . बड़े वृक्ष बन जाते। **(छ)** उसने रास्ते मैं कुछ लोगों को ..... काटने का ठेका रखा है। **(ज)** सुंदर लाल अपने गाँव लौटा, तो ..... का महत्त्व समझाया। **(झ)** सुंदर लाल की वाणी में प्रभाव व ..... संस्था का गठन किया।

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ख) **2.** (घ) **3.** (क)

व्याकरण अभिव्यक्ति–

1. लगाते-लगाते, छोटे-छोटे, लड़ने-मरने, पेड़ -पौधे

2. (क) हरा (ख) सुंदर (ग) शरारती (घ) मीठा (ङ) विशाल

3. (क) अनेक (ख) सबसे (ग) एक (घ) अत्यंत (ङ) बहुत

4. (क) वृक्ष (ख) गगन (ग) समूह (घ) उपयोगिता (ङ) सूखा

5. (क) वायुमंडल (ख) वक्ता (ग) प्रत्यक्ष (घ) असंभव (ङ) अतुलनीय

अनाया हिंदी-8

1. नदी का रास्ता

भाषा अभिव्यक्ति–

स्वयं कीजिए।

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ग) **2.** (ग) **3.** (क) **4.** (ख) **5.** (ख)

भाषा अभिव्यक्ति (लिखित)–

(क) वह सभी बाधाओं से लड़कर आगे बढ़ती रहती है। (ख) सागर (ग) उसको मार्ग दिखाकर (घ) वह पत्थरों, पेड़ों आदि से लड़कर आगे बढ़ती जाती है। (ङ) जिस प्रकार गतिमान सागर को ही नदी कहा जाता है उसी प्रकार सक्रिय मानव को ही मानव कहा जाता है। (च) इच्छाशक्ति के द्वारा ही वह विकट परिस्थितियों में अपना मार्ग निकाल लेना है। (छ) (i) भूमि कहती है कि मैंने ही नदी को मार्ग बतलाया था। (ii) नदी कहती है कि मैंने अपना मार्ग स्वयं बनाया है। (iii) कठिन परिस्थितियों में भी निरंतर गतिमान रखने की क्षमता रखने पर सभी परिस्थितियाँ अनुकूलित हो जाती है।

व्याकरण अभिव्यक्ति–

1. (क) सागर, समुद्र, वारिधि (ख) सरिता, प्रवाहिनी, तटिनी (ग) रफ्तार, गति, शीघ्रता (घ) किनारा, छोर, घाट (ङ) गुफा, खोह, माँद

(च) लगातार, अविराम, अथक (छ) वन, अरण्य, वन्य

2. (क) तीव्र (ख) चालाक (ग) निरूत्साह (घ) प्रश्न (ङ) निर्बलता (च) बायाँ (छ) चंचलता (ज) ऊबड़-खाबड़

3. (क) अभिमान, अभिनय, अभिनेता (ख) संसार, संस्कार, संबंद्ध (ग) सुविचार, सुरक्षा, सुगम (घ) उपकार, उपचार, उपलब्ध

2. सत्य की शक्ति

भाषा अभिव्यक्ति–

(क) सत्य पर अडिग रहने वाला राजा **(ख)** आज हम देखते है कि हमारे यहाँ ..... कितना बढ़ा देते हैं। **(ग)** सत्य और अहिंसा **(घ)** उनकी वाणी एवं आचरण में अंतर न था। **(ङ)** सत्य और अहिंसा के आदर्श का पालन करो।

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ख) **2.** (क)

भाषा अभिव्यक्ति (लिखित)–

1. (क) हरिश्चंद्र, ईसा, गाँधी (ख) ईसा को शहीद हुए लगभग दो हजार वर्ष हो गए। (ग) बचपन से ही सिखाया ..... सत्य बोलना चाहिए। (घ) जो सत्य के आदर्श को मानता है, ... को ही ग्रहण करेगा। (ङ) उपनिषदों में कहा गया है ..... झूठ की नहीं। (च) इतिहास में कई ऐसे क्षण आए, जब सत्य .... की तरक्की रूक गई। (छ) विज्ञान आज घोषित करता है कि यदि हमको ..... काम सफलता से नहीं कर सकता। (ज) सारा संसार इस भट्टी में जल रहा ..... तैयार हो रहे है। (झ) रोम के साम्राज्य को नष्ट करना। लेकिन ऐसा हो न सका।

2. विश्व में कई धर्मों के लोग रहते हैं। थोड़े से लोग ही सत्य की रक्षा करने वाला ही समाज और राष्ट्र को नई दिशा देता रहता है। यही मानवता है यही राष्ट्रवाद है।

व्याकरण अभिव्यक्ति–

1. (क) देश, महिमा, उपनिषद, लोगों, पूजा, राजा, हरिश्चन्द्र, कथा, राज, तप, पाप (ख) आप, उनकी, हम, किसको, आना (ग) सत्य, झूठ, कष्ट, आग, बराबर, दूसरा (घ) है, हैं, जानते, करते हैं, दे दिया।

2. (क) सांसारिक (ख) प्राकृतिक (ग) पुजारी (घ) विजयी (ङ) ऐतिहासिक (च) स्वार्थी (छ) प्रकाशित (ज) धार्मिक (झ) विकसित

3. (क) सुजन (ख) परिवार (ग) परिस्थिति (घ) परिश्रम (ङ) परिधान (च) परिचालक

3. मित्र का चुनाव

भाषा अभिव्यक्ति–

(क) एक पिता, अपने पुत्र को, मित्र के चुनने के बारे में **(ख)** उसके दोस्तों से **(ग)** तटस्थ व्यवहार **(घ)** दुष्ट और धोखेबाज **(ङ)** स्वयं कीजिए। **(च)** स्वयं कीजिए।

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (क) **2.** (ख) **3.** (क) **4.** (ख) **5.** (ख)

भाषा अभिव्यक्ति (लिखित)–

1. (क) दोस्ती अपने से बड़ों से ही करनी .... उन्हें जानता और मानता है। (ख) सच्ची दोस्ती हृदय से उपजती है ..... अनुभव भी करता है। (ग) एक लड़का था होगा कोई .... क्षणभंगुर होती है। (घ) उन्हें अपना दुश्मन बनाना भी कम ..... तुम्हें हानि पहुँचाएँगें। (ङ) सही तरीका तो वही है जो ..... घोषित कर दिए जाओगे। (च) जीवन में तुम्हें ऐसे लोग ..... वे पाखंडी है। (छ) सच्चा दोस्त वही है, जो ..... पूरी परीक्षा दे चुका हो। (ज) सच्ची दोस्ती की दुर्हा देने वाले .... क्षमता नष्ट हो जाती है। (झ) एक प्रकार की दोस्ती की दोस्ती और भी ..... खिलाफ षड्यंत्र समझो। (ज) अच्छे लोगों की जाँच किसी परखनली से नहीं ..... तो उनकी संगति कर सकते हो।

2. (क) लोगों में मिलने वाली बुराइयों से दूर

रहो, उनसे नहीं। (ख) इसमें कई लोग होते हैं जो मामूली बात को भी बतंगड़ बना देते है। (ग) प्रत्येक को अपनी प्रशंसा प्यारी लगती है। बुराई करने से लोग दुश्मन बन सकते हैं। (घ) अच्छे समाज के लोगों की सोच अच्छी होती है। (ङ) बुराई हमेशा हानिकारक रही है। इसे दूर रहने की भरसक चेष्टा करो।

व्याकरण अभिव्यक्ति–

1. स्वयं कीजिए।

2. दंडनीय, मित्रता, सामाजिक, ईमानदारी, समझदारी, नैतिकता

3. (क) चाय-पकौड़े (ख) धन-दौलत (ग) ऊँच-नीच (घ) भला-बुरा (ङ) अपना-पराया

4. कितीन जमीन

भाषा अभिव्यक्ति–

(क) देहाती किसान से **(ख)** उसने बताया कि दरिया किनारे कोलों की बस्ती है। **(ग)** भेंट की जाने वाली चीजें **(घ)** वह नापी गई जमीन को समय से पूर्व पूरा नहीं कर पा रहा था। **(ङ)** लालच में आकर दीना की मौत पर।

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ख) **2.** (ग) **3.** (ख)

भाषा अभिव्यक्ति (लिखित)–

1. (क) बाबी से कहा कि घर देखना-भालना . ..... की अन्य चीजें खरीदी। (ख) दीना ने कहा, ''सुना है, ... जाएगी और रजिस्ट्री हो जाएगी।'' (ग) रह-रहकर वह जमीन के बारे में ही सोचने लगता था। (घ) जमीन अधिक मिल जाने से आगे की जिंदगी आराम से कटेगी। (ङ) दीना के अत्यधिक लालच पर। (च) दीना के मन में भी अभिलाषा ..... जीवन शुरू करके देखूँ? (छ) अत्यधिक जमीन के लालच में आकर ही उसने प्राण गवाँ दिए। (ज) जिस जमीन पर वह जीवन सुखपूर्वक बीतना चाह रहा था। वह उसकी मृत्यु-स्थल बन चुकी थी। (झ) (i) अधिक जमीन की प्राप्ति के लिए वह जी जान से भागा चला जा रहा था। (ii) मृत्यु के बाद इतनी जमीन उसके लिए काफी थी।

2. (क) बड़ी बहन का विवाह कस्बे में एक सौदागर से हुआ था। (ख) ''देखो, कैसे आराम से हम रहते हैं। ..... तमाशे-थियेटर बाग-बगीचे!'' (ग) छोटी बहन को बात लग गई- ..... तंदुरूस्ती भी बनी रहती है।''

व्याकरण अभिव्यक्ति–

(क) बड़ी बहन ने कहा, ''हमारे शहर में खाने-पीने की चीजें खूब मिलती है।'' **(ख)** शहर के तमाशे, थियेटर, बाग-बगीचे देखने लायक होते हैं। **(ग)** दीना के मन में अधिक जमीन खरीदने की चाह जागी। **(घ)** दरिया के पास जमीन-ही-जमीन थी। **(ङ)** दीना ने पूछा- ''कीमत की दर क्या होगी?'' **(च)** दीना ने कहा- ''सवेरा हो गया है।'' **(छ)** अरे! इतनी ही जमीन क्या थोड़ी है?

5. किसका काम?

भाषा अभिव्यक्ति–

(क) गणित की **(ख)** अपनी माँ से मिलने अस्पताल में **(ग)** ग्यारह साल की **(घ)** तेरह साल का **(ङ)** नाटक के मंचन हेतु

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (क) **2.** (ग) **3.** (ख) **4.** (ग) **5.** (घ)

भाषा अभिव्यक्ति (लिखित)–

1. (क) सैंडविच (ख) चाय की पत्ती, दूध और चीनी (ग) खाना बनाने का (घ) सुबह स्कूल जाने से पहले वह नाश्ता ..... हाथ बँटाने को तैयार रहती थी। (ङ) ''उमा तो मेरा दहिना हाथ ..... बड़ी मदद मिलती है।

व्याकरण अभिव्यक्ति–

1. (क) रसीला (ख) दोनों शब्द विशेषण है। (ग) शिक्षित (घ) आलसी **2.** (क) और (ख) इसलिए (ग) किंतु (घ) कि

3. (क) (iii) (ख) (v) (ग) (iv) (घ) (ii) (ङ) (i)

6. मनभावना सावन

भाषा अभिव्यक्ति–

(क) झम-झम-झम-झम **(ख)** चातक और मोर **(ग)** इसमें अनेक जीव-जंतु का वर्णन किया गया है। **(घ)** हरसिंगार के

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (क) **2.** (ग) **3.** (ग) **4.** (ख)

भाषा अभिव्यक्ति (लिखित)–

(क) मंगल गीत **(ख)** नीम **(ग)** इंद्रधनुष के झूलों में **(घ)** पंखों के समान **(ङ)** यह समय उनका जीवन का आधार होता है। **(च)** क्रंदन **(छ)** उनका कण-कण हँसने लगता है। **(ज)** यह ऋतु जीवन का आधार होता है। **(झ)** हरियाली प्रसन्नता का सूचक है। **(ञ)** (i) वर्षा के समय चकमने वाली बिजली दिन के अंधकार को हर लेती है तथा वर्षा से होने वाले लाभों से मन हर्षाने लगता है। (ii) कवि चाहता है कि सभी लोग सुखी हो तथा इस मौसम का आनंद उठाएँ।

व्याकरण अभिव्यक्ति–

1. (क) जलद (ख) वृक्ष (ग) अंधकार (घ) तोय **2.** स्वयं कीजिए। **3.** (क) कमरे (ख) फीट (ग) कारखाने (घ) आँखों (ङ) लड़कों **4.** (क) प्रश्नवाचक (ख) विधानसूचक (ग) निषेधवाचक (घ) विधानसूचक (ङ) इच्छाबोधक (च) प्रश्नवाचक (छ) विधानवाचक

7. नीलकंठ

भाषा अभिव्यक्ति–

(क) 35 रूपये के, क्योंकि उनके मारे जाने का डर था। **(ख)** नीलाभ ग्रीवा के कारण मोर का नाम ..... का नामकरण हुआ 'राधा'। **(ग)** पहले अपने पढ़ने-लिखने के ..... गोलियाँ और पानी रखा।

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ग) **2.** (क) **3.** (ग) **4.** (ग) **5.** (क) **6.** (ख)

भाषा अभिव्यक्ति (लिखित)–

(क) उस दिन एक अतिथि को ..... ओर चलने का आदेश दिया। **(ख)** एक मोरनी **(ग)** वर्षा **(घ)** उन्हें पढ़ने-लिखने के कमरे में रखा जाता था। **(ङ)** नीलकंठ में उसके जातिगत ..... पर ठहर-ठहर जाता था। **(च)** मुझे स्वयं ज्ञान नहीं कि कम ..... दंड देने दौड़ पड़ता। **(छ)** नाम के अनुरूप वह स्वभाव में भी ..... सब ओर छितरा दिए। **(ज)** (i) मयूर कलाप्रिय वीर पक्षी ..... जीवन ही क्रूर कर्म है। (ii) क्योंकि लेखिका पशु-पक्षी पर ममता के कारण वह उसे किसी भी कीमत पर उन्हें खरीद लेती थी। (iii) वे किसी बात पर बिना रूके काफी समय तक बोलते रहते थे।

व्याकरण अभिव्यक्ति–

1. (क) पढ़ + आई (ख) बच + पन (ग) चंचला + ता (घ) ध्यान + पूर्वक (ङ) घबरा + आहट (च) चमत्कारी + इक

2. (क) एक हाथ से ताली नहीं बजती (ख) पाँच-सात मिनट रूको, फिर चलते हैं। (ग) तुम सब मेरी बात सुनी थी। (घ) वह अगले वर्ष जापान जाएगा। (ङ) प्रत्यक्ष, अतिथि (च) कान, सौ (छ) मेघ + आच्छन्न, मंडल + आकार

3. (क) तीन नेत्र वाला (ख) पंक में जन्मा हुआ (ग) गिरि को धारण करने वाला (घ) गज जैसी आँखों वाला (ङ) जिसकी आत्मा धर्मयुक्त हो। (च) पवन का पुत्र (छ) सबसे बड़ा वीर (ज) चक्र है जिसके हाथ में (झ) लोहे के समान पुरूष

8. कश्मीर से केरल

भाषा अभिव्यक्ति–

(क) एक तरफ ऊँचे पहाड़ों से भरी ..... गिर जाने का भय। **(ख)** समतल **(ग)** कश्मीर

की राजधानी ज्यातिर्मय नगर ..... मैंने अपने को धन्य माना। **(घ)** ईद की चाँद देखने के कारण **(ङ)** कश्मीर की मिट्टी में ही प्यार-मुहब्बत ..... दिल खोलकर प्रदान किए है।

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ख) **2.** (ख) **3.** (क)

भाषा अभिव्यक्ति (लिखित)–

1. (क) कोचीन से (ख) श्री शंकराचार्य पहाड़ी (ग) कोचीन की झील (घ) कन्याकुमारी की सागर तरंगे अपने ..... बार-बार उभर उठती थी। (ङ) इतिहास की लंगी परंपरा में सम्राट ..... साहित्यकार और कला प्रेमी थे। (च) बस अब तेज चाल से जवाहर सुरंग की ओर बढ़ी ..... चलने लायक बना दिया। (छ) यह मठ बहुत पुराना है और ..... सीढ़ियाँ चढ़नी पड़ती हैं। (ज) प्रथम दृष्टि पर मेरा मन कहने लगा- ..... झील उसका मुख्य केंद्र है।

2. प्रकृति ने कश्मीर को अत्यधिक आकर्षक रूप दिया है। फलत: यहाँ के लोगों के व्यवहार में भी मिठास एवं मोहकता देखने को मिलती है।

व्याकरण अभिव्यक्ति–

1. (क) ईश्वर की इच्छा, कोरी कल्पना (ख) इतिहास की लंबी परंपरा, विशेष रूप से (ग) कितने ही मामूली लोग, पर्वतीय प्रदेश (घ) स्थानीय भूगोल की जानकारी (ङ) नए शिकारे का मल्लाह

2. व्यक्तिवाचक संज्ञा- कोचीन, श्रीनगर, जम्मू; **जातिवाचक संज्ञा-** यात्रा, रेल, प्रदेश, नगर, बस, घंटे, चालक; **भाववाचक-** लंबी, पर्वतीय, जोशीला, प्रभाती, चुमनभरी, शीतलता, कुछ

3. (क) ईय (ख) शाली (ग) ई (घ) इक (ङ) ता (च) क (छ) मम (ज) इत (झ) पूर्ण

9. सुभागी

भाषा अभिव्यक्ति–

(क) सुभागी बहुत छोटी उम्र में ही विधवा हो गई। **(ख)** लोग तुलसी महतो पर दबाव डालने लगे कि लड़की की कहीं ओर शादी कर दो। **(ग)** सुभागी के भरण-पोषण करने के लिए **(घ)** वह गाँव वालों को बेटी का महत्त्व दिखाना चाहती थी। **(ङ)** कर्ज की आखिरी किस्त चुकाने का दिन।

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ख) **2.** (क) **3.** (ख) **4.** (ग)

भाषा अभिव्यक्ति (लिखित)–

(क) हरिहल ने सुभागी को समझाकर .... तरह कब तक बैठी रहोगी। **(ख)** माँ-पिता को दूध घी देने के लिए। **(ग)** माता के देहांत के बाद सुभागी के ..... सिंह के रूपये चुकाना। **(घ)** वह उसे भार समझता था। **(ङ)** अच्छे ढंग से **(च)** मेरी इच्छा है कि तुम मेरे घर की ..... बोलो, मंजूर करती हो? **(छ)** महतो ने क्रमश: अपने पुत्र एवं पुत्री के लिए।

व्याकरण अभिव्यक्ति–

1. (क) तुलसी, लड़की, सुभागी, उम्र, खेती-बाड़ी, भाई, रामू (ख) अपनी, वह, उसका (ग) बहुत, प्यार, छोटी, चतुर, निपुण, बड़ा, कामचोर, आवारा

2. (क) तो चुप रहना ही अच्छा। (ख) तो घर में रहना ही अच्छा। (ग) तो चुप रहना ही अच्छा। (घ) तो स्वयं ही पढ़ना अच्छा। (ङ) तो अलग रहना ही अच्छा। **3.** स्वयं कीजिए।

10. युगावतार गाँधी

भाषा अभिव्यक्ति–

(क) महात्मा गाँधी के बारे में **(ख)** महात्मा गाँधी का **(ग)** धार्माडंवर पर **(घ)** सभी लोग उनका सम्मान करते थे। **(ङ)** गाँधी जी ने **(च)** अस्त्र-शस्त्रों की

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (क) **2.** (ग) **3.** (ग) **4.** (ग) **5.** (ग)

भाषा अभिव्यक्ति (लिखित)–

1. (क) युग का करणीय कर्म तथा युग के अनुसार आचरण (ख) धर्माडंवर के खंडहर को (ग) सभी को सुख शांति मिले। (घ) दुखित देखवासियों को (ङ) विदेशियों से छुटकारा पाने का (च) तन-मन-धन से। (छ) धर्मावंडर से बाहर निकल कर निर्मल समाज बनाना। (ज) वह सर्वत्र विजयी माना जाता है। (झ) महात्मा गाँधी ने देश को आजादी दिलाकर की। (ञ) सत्य एवं अहिंसा के बल पर।

2. (क) जिस ओर गाँधी जी ने कदम बढ़ाया। (ख) देश की स्वतंत्रता की प्राप्ति हेतु स्वतंत्रता संघर्ष। (ग) जिस कार्य के लिए वे आगे बढ़ने देश के लोग उनके साथ होते थे।

व्याकरण अभिव्यक्ति–

1. पकु, पकुज; डर, डंडा; पकड़, कड़क

2. स्वयं कीजिए।

3. (क) से (ख) से (ग) की, को (घ) में (ङ) से (च) की (छ) पर, का (ज) के लिए (झ) अरे

4. (क) संन्यासी (ख) चाँद (ग) प्रातः (घ) संतरा (ङ) अंगारे (च) उद्यान (छ) विद्या (ज) आँसू (झ) नमः (ञ) लंगूर (ट) भाँति (ठ) अतं-स्थ

5. (क) पराया (ख) डरपोक (ग) विध्वंस (घ) अभिशाप (ङ) परतंत्र (च) भक्षक (छ) पतित (ज) आलोचना

11. संसार पुस्तक है

भाषा अभिव्यक्ति–

(क) एक छोटा-सा **(ख)** नहीं **(ग)** उसके अक्षर सीखने की। **(घ)** पुराने जमाने के पहाड़, नदियों, जंगल, जानवरों के अस्थि कंकाल आदि से। **(ङ)** गीला और चिकना

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (क) **2.** (ख) **3.** (ख)

भाषा अभिव्यक्ति (लिखित)–

(क) इलाहाबाद से **(ख)** जानवर **(ग)** भारत **(घ)** जीवन जीने हेतु सुविधाएँ उपलब्ध न थीं। **(ङ)** ये पहाड़, समुद्र, सितारे, नदियाँ ..... भी कितनी ही चीजें हैं। **(च)** आपस में घिस घिसकर **(छ)** रेत के घरौंदे बनाते हैं।

व्याकरण अभिव्यक्ति–

1. (क) **यह तो तुम जानती,** ही यह धरती लाखों-करोड़ों वर्ष पुरानी है। (ख) आज जब यह दुनिया हर तरह के जानवरों, आदमियों से भरी हुई है, उस जमाने का विचार करना भी मुश्किल है, जब यहाँ कुछ न था। (ग) विद्वान ने, जिन्होंने इस विषय को खूब सोचा और पढ़ा-लिखा, एक समय ऐसा, जब यह धरती बेहद गरमी, इस पर कोई जानदार चीज नहीं रह सकती थी।

2. (क) पूछा करती हो। (ख) ध्यान रखना पड़ेगा। (ग) रह सकती थी। (घ) सकता, सोच निकालें। (ङ) पढ़ना जानती हो।

12. हमारी वन-संस्कृति

भाषा अभिव्यक्ति–

स्वयं कीजिए।

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ख) **2.** (क) **3.** (ग) **4.** (ख) **5.** (ख) **6.** (ग)

भाषा अभिव्यक्ति (लिखित)–

1. स्वयं कीजिए।

2. (क) वृक्ष से ही वर्षा को पृथ्वी पर लाने में मदद करती है जिससे अनाज उगते हैं तथा हम भोजन कर पाते हैं। (ख) पुत्र केवल हमारे लिए हित करता है लेकिन पेड़ परमार्थ कार्य करते हैं।

व्याकरण अभिव्यक्ति–

1. (क) (i) (ख) (ii) (ग) (ii) (घ) (i) (ङ) (ii)

2. (क) सांस्कृति के (ख) सांसारिक (ग) ऐतिहासिक (घ) सामाजिक

3. (क) वृक्ष + रोपण (ख) परम + अर्थ (ग) राज + ऋषि (घ) जीवन + उल्लास

13. बुद्धि और भाग्य

भाषा अभिव्यक्ति–

1. (क) एक बार बुद्धि और भाग्य में ..... दोनों में श्रेष्ठ कौन है। (ख) यह तो मैं भी .... वही बड़ा होगा।'' (ग) ''तो अब तुम अपने वचन से पीछे ..... तरह दूर जा खड़ी हुई

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ख) **2.** (क) **3.** (ग) **4.** (क) **5.** (क)

भाषा अभिव्यक्ति (लिखित)–

1. (क) एक बार बुद्धि और भाग्य में ..... स्वयं को श्रेष्ठ बता रहे थे। (ख) उसे उसकी कोई आवश्यकता नहीं थी। (ग) राजा के सामने बोले गए झूठ को सच बताने के लिए। (घ) भाग्य के प्रभाव से (ङ) राजा को भेंट कर दिया। (च) सोचने लगा, जरूर यह आदमी .... चीज पहने हुए है। (छ) फिर सोचने लगा– '' देखने में ..... होठों पर मुस्कान नाचने लगी। (ज) सौदागर को गड़ेरिये को राजा बनाने के लिए सोचने हेतु। (झ) बुद्धि के आते ही ऊँचाई से धरती ..... उसके दिमाग में घूमने लगी।

व्याकरण अभिव्यक्ति–

1. (क) प्रेम (ख) शांत (ग) पतन (घ) ऊष्ण (ङ) विदेश

2. (क) पुल्लिंग, स्त्रीलिंग (ख) पुल्लिंग, स्त्रीलिंग (ग) पुल्लिंग, स्त्रीलिंग (घ) पुल्लिंग, स्त्रीलिंग (ङ) पुल्लिंग, पुल्लिंग

3. (क) खरीद ली है (ख) रख दो (ग) चलो (घ) गिर पड़ा (ङ) नाचने लगा

14. पर्यावरण में बढ़ता प्रदूषण

भाषा अभिव्यक्ति–

(क) हम सभी जानते हैं कि ..... अनुकूल बना रहता था। **(ख)** परंतु आज मनुष्य ने प्रकृति का ..... का विस्फोट भी हुआ है। **(ग)** इस बढ़ती हुई आबादी को खिलाने के लिए ..... पैमाने पर जंगल काटे गए। **(घ)** बढ़ती हुई आबादी को खिलाने ..... मिट्टी प्रदूषित होती जा रही है। **(ङ)** औद्योगिक विकास ने जहाँ हमें ..... ओजान परत में कमी हो रही है।

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (क) **2.** (ख) **3.** (क)

भाषा अभिव्यक्ति (लिखित)–

1. (क) आज चारों प्रकार के ..... प्रदूषण फैल रहे हैं। (ख) आज जल, थल और नभ तीनों ..... से आने-जाने लगे हैं। (ग) पीपल, बरगद, आम, नीम, जामुन, ... कृत्य माना गया है। (घ) पर्यावरण प्रदूषण को रोकने के लिए सबसे अधिक ..... सहयोग दे सकते हैं। (ङ) यदि यही रफ्तार रही, तो पृथ्वी ..... समुद्र के गर्भ में समा जाए। (च) नदियों में कल कारखानों में अवशिष्ट पदार्थ डाल देने से। (छ) कल-कारखाने एवं वाहनों के धुएँ से। (ज) कल-कारखाने और तेज चलने ..... धड़कने तेज हो जाती है। (झ) हम गंदगी न फैलाएँ और ..... वृक्ष जरूर लगाएँगे।

2. (क) प्रकृति धरती को संतुलित रखने के लिए संतुलन के समुचित उपाय करती है लेकिन मानव उसे असंतुलित करता है। (ख) हमारे आस-पास का वातावरण ही हमारे जीवन का आधार है। इसे स्वच्छ रखकर ही हम स्वच्छ एवं नीरोग रह सकते हैं।

व्याकरण अभिव्यक्ति–

1. (क) दवाइयों की आवश्यकता है। (ख)

की आवश्यकता है। (ग) की आवश्यकता है। (घ) की आवश्यकता है।

2. (क) प्रकृति का संतुलन, अव्ययीभाव (ख) उद्योग और धंधे, द्वंद्व (ग) बुरा प्रभाव, तत्पुरूष (घ) जीव और जंतु, द्वंद्व (ङ) थोड़ी वर्षा, अव्ययीभाव

3. (क) परि + आवरण, स्वर (ख) वात + आवरण, व्यंजन (ग) महा + उत्सव, स्वर (घ) दुः + प्रभाव, विसर्ग (ङ) जीवन + आधार, स्वर

15. झाँसी की रानी

भाषा अभिव्यक्ति–

1. (क) बुंदेलखण्ड के लोग और बुंदेलखंड के लोकगायक (ख) वह मर्दों की भाँति सेनाओं से लड़ती थी। (ग) वीरांगणा लक्ष्मीबाई का राज घराने में हुई शादी से।

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ग) **2.** (क) **3.** (ख) **4.** (घ) **5.** (क) **6.** (ख) **7.** (ख)

भाषा अभिव्यक्ति (लिखित)–

(क) 1857 में **(ख)** बरछी, कृपाल, कटार **(ग)** उसे हड़पने हेतु **(घ)** शत्रु के वार से **(ङ)** झाँसी के मैदान में, जहाँ वाकर जख्मी होकर भागा। **(च)** लड़ते-लड़ते घायल होकर घोड़े से नीचे गिर गई और वीरगति प्राप्त की। **(छ)** अपने देश की रक्षा हेतु सर्वस्व समर्पण हेतु तैयार रहना चाहिए। **(ज)** साहसी, वीर, कर्मठ, देशभक्त, धैर्यवान।

व्याकरण अभिव्यक्ति–

1. (क) संगिनी (ख) भर्ता (ग) नयन

2. (क) स्वतंत्रता (ख) स्वर्ग (ग) शौर्य

3. (क) कालवाचक क्रि.वि (ख) रीतिवाचक क्रि.वि (ग) स्थानवाचक क्रि.वि

16. काबुली वाला

भाषा अभिव्यक्ति–

1. (क) ''बापू जी, रामदयाल ..... जानता नहीं न बापू जी?'' (ख) निशान लगाइए।

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (क) **2.** (क) **3.** (ग)

भाषा अभिव्यक्ति (लिखित)–

1. (क) पाँच वर्ष (ख) काक (ग) मिनी से मुलाकात करने (घ) मिनी के चिल्लाने पर ज्यों ही ..... कहाँ गायब हो गई। (ङ) उसके मन में एक अंधविश्वास-सा बैठ गया ..... लड़कियाँ निकल गई है। (च) उसके पास न तो झोली थी, ... सका कि यह रहमत है। (छ) मिनी के जाने के बाद रहमत एक ..... हुआ होगा, कौन जाने?

2. (क) जब तक वह जगी रहती, कुछ-न-कुछ बोलती रहती थी। (ख) यह उसके स्वभाव में था कि वह किसी को जवाब दिए बिना रह नहीं सकती थी।

व्याकरण अभिव्यक्ति–

1. मैं अपने पढ़ने-लिखने के कमरे में बैठकर हिसाब लिख रहा हूँ, इतने में रहमत आता है और सलाम करके खड़ा हो जाता है। पहले तो मैं उसे पहचान ही न रहा हूँ, उसके पास न तो झोली है, न वैसे लंबे-लंबे बाल हैं, और न चेहरे पर पहले जैसा तेज है लेकिन उसकी मुस्कराहट देखकर पहचान गया कि वह रहमत है।

2. जटिलता, जरूरत, कठिनाई, संदिग्धता, निश्चितता, उदासी, प्रफुल्लता, खामाशी, झूठ

(क) पहला (ख) सहज, बड़ा (ग) किसी, बिना, स्वभाव (घ) मुस्कराहट (ङ) लज्जा, लाल

17. मैं और मेरा देश

भाषा अभिव्यक्ति–

1. (क) लेखक के मन में (ख) जीवन को दर्शनशास्त्रियों ने ..... अनेक धाराएँ हैं। (ग) एक दूसरे देश का निवासी ..... शिक्षा लेने आया। (घ) महान कमला पाशा (ङ) एक किसान ने रंगीन सुतलियों से ..... वह खाट

उसने उन्हें दी।

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ग) **2.** (ख) **3.** (ग)

भाषा अभिव्यक्ति (लिखित)–

1. (क) एक दिन आनंद की इस ..... दया- प्रार्थना ही कर सकूँ। (ख) उनका यह अनुभव था, ''मैं अमेरिका गया, ... माथे पर लगा रहा।'' (ग) मन में परतंत्रता की टीस (घ) कभी मैच देखने का तो ..... खिलाड़ी उभर जाते है। (ङ) कवि-सम्मेलनों और मुशायरों ..... ही निर्भर करती है। (च) वे तेजस्वी पुरूष थे स्वर्गीय ..... जाते और पराए भौचक्के! (छ) स्वामी जी ने समझा यह . ..... अच्छे फल नहीं मिलते।'' (ज) राष्ट्रपति एक उसकी सूचना भेजी ..... बूढ़ा निहाल हो गया। (झ) क्या आप चलती रेलों में, ... को श्रेष्ठ सिद्ध करते हैं। (ञ) क्या आप कभी केला ..... आपके किसी काम में ठेस लगती है?

2. (क) ''मैं अमेरिका गया, इग्लैंड गया, ... पर माथे पर लगा रहा।'' (ख) इस अनुभव की छाया में ..... शक्ति में कमी आए। (ग) उसके एक नागरिक के ..... मैं रहूँ भरोसा रहे। (घ) 1. लेखक 2. विदेश यात्रा के दौरान लोगों ने गुलाम देश के नागरिक के रूप में जाना।

व्याकरण अभिव्यक्ति–

1. (क) क्या, जब चिड़िया चुग गई खेत। (ख) पर बल नहीं गया। (ग) आरसी क्या, पढ़े-लिखे को फारसी क्या। (घ) नाम नयन सुख (ङ) चौपट राजा, टके सेर भाजी टके सेर खाजा (च) खरबूजा रंग बदलता है।

2. (क) कहीं सुख, कहीं दुख (ख) दोहरा लाभ (ग) अंधों में काना राजा

3. (क) ऊपर (ख) प्रतिदिन (ग) अचानक (घ) कम

4. (क) तेजस्वी + ता (ख) मानस + इक (ग) विज्ञान + इक (घ) धन + पति (ङ) धर्म + शाला (च) मुसाफिर + खाना (छ) गड़ + बड़ी (ज) समूह + इक

18. मंजिल दूर नहीं है

भाषा अभिव्यक्ति–

1. (क) प्रसून जोशी को (ख) सत्रह वर्ष की आयु में (ग) भौतिक शास्त्र में (घ) शुभा मुद्गल (ङ) गीत-संगीत के प्रति

भाषा अभिव्यक्ति (लिखित)–

1. (क) इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टैक्नोलॉजी गाजियाबाद उ. प्र. (ख) संस्कृति और कला (ग) एन. डी. टी.वी. इण्डिया (घ) उन्हें 'तारे जमी पर' और 'फना' फिल्मों ..... भी प्रदान किया गया। (ङ) वर्ष 2010 में

2. (क) जब आत्मविश्वास, लगन और ..... गुरू के रूप में जाने जाते हैं। (ख) सत्रह वर्ष की आयु में (ग) उन्होंने दिल्ली के विश्व .... में मुंबई पहुँचे। (घ) 'लज्जा', 'फना', ... कार्य की बहुत प्रशंसा की गई। (ङ) वे प्राय: भावपूर्ण गीत लिखते हैं।

व्याकरण अभिव्यक्ति–

2. (क) वर्तमान (ख) वर्तमान (ग) भविष्यत् (घ) भविष्यत्